# दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

## परास्नातक (हिंदी)
## वार्षिक परीक्षा
## व्यक्तिगत परीक्षार्थियों के लिए

## हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा तथा पत्रकारिता विभाग

# हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषा तथा पत्रकारिता विभाग
## दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

## पाठ्यक्रम

**स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष** — **परीक्षा वर्ष 2012 से**

**प्रथम प्रश्न पत्र – आधुनिक गद्य** — **– कुल अंक 100**

**प्रश्नपत्र का स्वरूप** – इस प्रश्नपत्र में पाठ्यग्रन्थों को दो भागों में विभक्त किया गया है–मूल पाठ, द्रुत पाठ। प्रश्नपत्र कुल 100 अंक का होगा। अंक विभाजन इस प्रकार है–

(क) तीन व्याख्याएं (केवल मूल पाठ से) = 10 x 3 = 30
(ख) तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (केवल मूल पाठ से) = 15 x 3 = 45
(ग) पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न (केवल द्रुत पाठ से) = 5 x 5 = 25
(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न लगभग 600 शब्दों तथा लघु उत्तरीय प्रश्न 100 शब्दों के होंगे)

**पाठ्यग्रंथ –**

**मूल पाठ**

(1) नाटक – चन्द्रगुप्त – जयशंकर प्रसाद
आषाढ़ का एक दिन – मोहन राकेश

(2) उपन्यास – गोदान – प्रेमचन्द
नदी के द्वीप – अज्ञेय

(3) निबन्ध – आचार्य शुक्ल का श्रेष्ठ निबन्ध – सं. प्रो. रामचन्द्र तिवारी
(श्रद्धा–भक्ति, कविता क्या है, काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था)
हजारी प्रसाद द्विवेदी : संकलित निबन्ध
सं. नामवर सिंह
(अशोक के फूल, कुटज, नाखून क्यों बढ़ते हैं, भारत की सांस्कृतिक समस्या, मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है)

(4) कहानी संकलन – कहानी स्तम्भ – सं. प्रो. जनार्दन, डॉ. गणेश शुक्ल,
(घासवाली – प्रेमचन्द, गुण्डा – प्रसाद, पत्नी – जैनेन्द्र, शरणदाता – अज्ञेय,
परिन्दे – निर्मल वर्मा, वाङ्चू – भीष्म साहनी, आर्द्रा – मोहन राकेश,
लाल पान की बेगम – फणीश्वर नाथ रेणु, त्रिशंकु – मन्नू भण्डारी)

**द्रुत पाठ**

(1) कहानी – कहानी : समकालीन कहानी – सं. प्रो. सुरेन्द्र दुबे, डॉ. महेश मणि
(करवा का व्रत – यशपाल, राजा निरबंसिया – कमलेश्वर,
जहाँ लक्ष्मी कैद है – राजेन्द्र यादव, धौंसू – गोविन्द मिश्र
अर्धांगिनी – शैलेश मटियानी, आखिरी चिट्ठी – रामदरश मिश्र,
परियों का नाच ऐसा – मृणाल पाण्डेय)

(2) निबन्ध – निबन्ध–संचयन, सं. डॉ. दीपक प्रकाश त्यागी, डॉ. राम नारायण त्रिपाठी
(वैष्णवता और भारतवर्ष, जातीय संगीत – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र; हिन्दी भाषा, लार्ड मिन्टो का स्वागत – बालमुकुन्द गुप्त; आचरण की सभ्यता, सच्ची वीरता–सरदार पूर्ण सिंह; तमाल के झरोखे से, हरसिंगार – विद्यानिवास मिश्र; संस्कृति का शेषनाग, नीलकंठ उदास – कुबेरनाथ राय; भाषा और राष्ट्रीय अस्मिता, साहित्य का आत्मसत्य – निर्मल वर्मा)

द्वितीय प्रश्न पत्र – साहित्यशास्त्र – कुल अंक 100

प्रश्नपत्र का स्वरूप – इस प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे–

| | | | |
|---|---|---|---|
| (क) भारतीय काव्यशास्त्र | 40 | = | 2 x 20 = 40 |
| (ख) पाश्चात्य काव्यशास्त्र | 40 | = | 2 x 20 = 40 |
| (ग) हिन्दी समीक्षा | 20 | = | 1 x 20 = 20 |

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न लगभग 600 शब्दों तथा लघु उत्तरीय प्रश्न 100 शब्दों के होंगे)

पाठ्यग्रंथ –

1. भारतीय काव्यशास्त्र–

(क) काव्य के प्रयोजन, लक्षण, स्वरूप और भेद; भारतीय काव्य सम्प्रदाय–रस, रीति, अलंकार, वक्रोक्ति, ध्वनि, औचित्य; रस निष्पत्ति और साधारणीकरण, शब्द शक्तियाँ, गुण व दोष।

(ख) नाट्य – नाटक के तत्व – वस्तु, नेता, रस तथा उसका विवेचन, रूपक, रंगशाला

2. भारतीय काव्यशास्त्र–

- अरस्तू की काव्य विषयक मान्यताएँ – अनुकरण सिद्धान्त, विरेचन सिद्धान्त, त्रासदी के तत्व।
- लोजांइनस, टी.एस. इलिएट – निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, परम्परा और वैयक्तिक प्रज्ञा
- शास्त्रीयतावाद एवं स्वच्छन्दतावाद,
- अभिव्यंजनावाद, यथार्थवाद, अस्तित्ववाद
- मार्क्सवादी सौन्दर्यशास्त्र, मनोविश्लेषणवाद
- नयी समीक्षा की आधारभूत मान्यताए
- उत्तर आधुनिकता, उत्तर संरचनावाद, विखण्डनवाद

3. हिन्दी समीक्षा–

- हिन्दी समीक्षा : स्वरूप और विकास

  प्रमुख आलोचक – महावीर प्रसाद द्विवेदी, रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलारे वाजपेयी, डॉ. नगेन्द्र, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह, रामस्वरूप चतुर्वेदी।

नोट– भारतीय काव्यशास्त्र से दो प्रश्न, पाश्चात्य काव्यशास्त्र से दो प्रश्न एवं हिन्दी समीक्षा से एक प्रश्न पूछे जाएँगें।

तृतीय प्रश्न पत्र – लोक साहित्य के सिद्धान्त एवं भोजपुरी साहित्य – कुल अंक 100

प्रश्नपत्र का स्वरूप – इस प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे–

| | | |
|---|---|---|
| (क) लोक साहित्य (दो आलोचनात्मक प्रश्न) | = | 16 x 2 = 32 |
| (ख) भोजपुरी साहित्य (दो आलोचनात्मक प्रश्न) | = | 16 x 2 = 32 |
| (ग) पाठ्यग्रंथ से व्याख्या (तीन ) | = | 12 x 3 = 36 |

पाठ्यक्रम –

खण्ड क–

लोक साहित्य की परिभाषा, महत्व और विशेषताएँ, लोक साहित्य और लोक संस्कृति, लोक साहित्य और सामाजिक चेतना, अन्य समाज विज्ञानों से लोक, साहित्य का सम्बन्ध, लोक साहित्य की विभिन्न विधाएं – लोकगीत, लोकगाथा, लोकनाट्य, लोकमंच का स्वरूप और मौलिकता, लोकनाट्य

रूढ़ियाँ, हिन्दी नाटक और रंगमंच पर लोक नाट्यों का प्रभाव, प्रकीर्ण साहित्य – लोकोक्तियाँ और मुहावरे अन्तर और वर्गीकरण।

**खण्ड ख–**

भोजपुरी क्षेत्र और उसकी आंचलिक संस्कृति (ऐतिहासिक, भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक परिवेश)

- भोजपुरी साहित्य की विशेषताएं।
- भोजपुरी लोक साहित्य – लोकगीत और उनके प्रकार, लोकगाथा, लोक कथा।
- भोजपुरी काव्य परम्परा और प्रमुख कवि।
- भोजपुरी नाटक : विदेसिया तथा अन्य नाट्य रूपों का अध्ययन।
- भोजपुरी कहानी का विकास।
- समकालीन भोजपुरी लेखन।

**खण्ड ग–**

**पाठ्यग्रन्थ** – भोजपुरी साहित्य संचयन, सं. प्रो. चित्तरंजन मिश्र, डॉ. विमलेश कुमार मिश्र

**चतुर्थ प्रश्न पत्र – आधुनिक काव्य** – **कुल अंक 100**

**प्रश्नपत्र का स्वरूप** – इस प्रश्नपत्र में पाठ्यग्रन्थों को दो भागों में विभक्त किया गया है–मूल पाठ, द्रुत पाठ।

| | | |
|---|---|---|
| (क) तीन व्याख्याए (केवल मूल पाठ से) | = | 10 x 3 = 30 |
| (ख) तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (केवल मूल पाठ से) | = | 15 x 3 = 45 |
| (ग) पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न (केवल द्रुत पाठ से) | = | 5 x 5 = 25 |

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लगभग 600 शब्दों में तथा लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों के होंगे।)

**पाठ्यग्रंथ –**

**मूल पाठ–**

1. साकेत (नवम् सर्ग) – मैथिलीशरण गुप्त
2. कामायनी (चिन्ता और इड़ा सर्ग) – जयशंकर प्रसाद
3. राग–विराग (राम की शक्तिपूजा, सरोजस्मृति) – सं. रामविलास शर्मा
4. तारापथ (उच्छ्वास, नौकाविहार, छाया, परिवर्तन) – सं. दूधनाथ सिंह
5. नव दर्पण – सं. प्रो. अनन्त मिश्र, डॉ. ब्रजभूषण मणि त्रिपाठी

**द्रुत पाठ–** नया पथ – सं. प्रो. गणेश प्रसाद पाण्डेय
प्रो. अनिल कुमार राय

**पंचम प्रश्न पत्र – हिन्दी, संस्कृत एवं उर्दू साहित्य का इतिहास** – **कुल अंक 100**

**प्रश्नपत्र का प्रारूप** – इस प्रश्न पत्र के तीन खण्ड होंगे, जिसका अंक विभाजन निम्नांकित है–

| | | |
|---|---|---|
| (क) हिन्दी साहित्य का इतिहास (तीन प्रश्न) | = | 20 x 3 = 60 |
| (ख) संस्कृत साहित्य का इतिहास (एक प्रश्न) | = | 20 x 1 = 20 |
| (ग) उर्दू साहित्य का इतिहास (एक प्रश्न) | = | 20 x 1 = 20 |

**पाठ्यक्रम–**

(क) सम्पूर्ण हिन्दी साहित्य का इतिहास

(ख) संस्कृत साहित्य का इतिहास – उपजीव्य काव्य – रामायण एवं महाभारत

संस्कृत महाकाव्यों की परम्परा – रघुवंश, कुमारसम्भव, नैषधीचरितम्, शिशुपालवधम्, किरातार्जुनीयम्, संस्कृत नाटकों का विकास, भास के नाटक, कालिदास के नाटक (मुख्य रूप से अभिज्ञानशाकुन्तनम्), भवभूति का उत्तररामचरितम्।

संस्कृत गद्य (विशेषतः ललित गद्य), बाण और उसकी 'कादम्बरी' – सामान्य परिचय –

क– वैदिक वाङ्मय, ख– लघुत्रयी, ग– वृहत्त्रयी और घ– चम्पू काव्य।

(ग) उर्दू साहित्य का इतिहास –

दक्षिण में उर्दू कविता का विकास, दिल्ली केन्द्र की उर्दू कविता और प्रमुख कवि (मीर, सौदा, सोज, दर्द, गालिब, मोमिन, जौक, जफर) लखनऊ केन्द्र की उर्दू कविता ओर प्रमुख कवि (मुसहफी, ईशा अनीस, दबीर, आतिश) उर्दू के विशिष्ट कवि : नजीर अकबराबादी, आधुनिक उर्दू कविता, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि : मौलाना आजाद हाली, अकबर इलाहाबादी, जोश मलीहाबादी, फैज अहमद फैज, फिराक गोरखपुरी, उर्दू गद्य विधाओं का संक्षिप्त इतिहास : उपन्यास, कहानी, नाटक और आलोचना। उर्दू के प्रमुख काव्य रूप : गजल, कसीदा, मरसिया, मसनवी और रुबाई।

## स्नातकोत्तर अन्तिम वर्ष

**परीक्षा वर्ष 2013 से**

**प्रथम प्रश्न पत्र – प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य** – कुल अंक 100

**प्रश्नपत्र का स्वरूप** – इस प्रश्नपत्र में पाठ्यग्रन्थों को दो भागों में विभक्त किया गया है–मूल पाठ, द्रुत पाठ। प्रश्नपत्र कुल 100 अंक का होगा। अंक विभाजन इस प्रकार है–

| | | |
|---|---|---|
| (क) तीन व्याख्याएं (केवल मूल पाठ से) | = | 10 x 3 = 30 |
| (ख) तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (केवल मूल पाठ से) | = | 15 x 3 = 45 |
| (ग) पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न (केवल द्रुत पाठ से) | = | 5 x 5 = 25 |

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न लगभग 600 शब्दों तथा लघु उत्तरीय प्रश्न 100 शब्दों के होंगे)

**पाठ्यग्रंथ –**

**मूल पाठ–**

1. पद्मावती समय – चन्दबरदाई
2. निर्गुण काव्य – सं. प्रो. पूर्णिमा सत्यदेव, डॉ. केशव बिहारी त्रिपाठी
3. पद पीयूष – सं. प्रो. रामदरश राय, प्रो. मंजु त्रिपाठी
4. आनन्द घन – सं. प्रो. रामदेव शुक्ल

**द्रुत पाठ–**

प्राचीन एवं मध्यकालीन कविता – सं. डॉ. प्रेमव्रत तिवारी, डॉ. सूर्यनाथ पाण्डेय

**द्वितीय प्रश्न पत्र – भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा और लिपि** – कुल अंक 100

**खण्ड क–**

भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र, भाषा विज्ञान और व्याकरण, भारतीय और पाश्चात्य भाषा विज्ञान का इतिहास, आधुनिक भाषा विज्ञान के प्रमुख सम्प्रदाय (स्कूल), भाषा विज्ञान की विभिन्न शाखाएँ, भाषा भूगोल और समाज भाषा विज्ञान, भाषा विज्ञान के अध्ययन की पद्धतियाँ, शब्द अध्ययन, शब्द अध्ययन की पद्धतियाँ, शब्द की परिभाषा शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, भाषा की परिवर्तनशीलता और उसके कारण, ध्वनि, ध्वनियों की उत्पत्ति और वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन, उसके कारण और दिशाएँ, अर्थ–परिवर्तन, उसके कारण और दिशाएँ, पद विज्ञान, शब्द और पद का भेद, पद रचना की पद्धतियाँ, वाक्यविज्ञान परिभाषा, वाक्य संरचना और वर्गीकरण, लिपि की परिभाषा,

भाषा और लिपि का सम्बन्ध, लिपि की विकास अवस्थाएँ, भारत की प्राचीन लिपियाँ, काव्य भाषा, नाट्य भाषा, कथा भाषा।

**खण्ड ख–**

हिन्दी भाषा का स्वरूप और विकास, हिन्दी भाषा की वर्तमान स्थिति और उसकी समस्याएँ, हिन्दी ध्वनियों का वर्गीकरण और विकास, हिन्दी भाषा में प्रयुक्त विदेशी ध्वनियों में परिवर्तन की प्रवृत्तियाँ, संज्ञा पदों की रचना, परसर्गों का विकास, लिंग और वचन, विशेषण, सर्वनाम, क्रिया एवं अव्यय पदों की रचना तथा विकास, उपसर्गों तथा प्रत्ययों का उद्‌भव और विकास, हिन्दी का मानकीकरण और आधुनिकीकरण, भारतीय भाषाएँ और हिन्दी।

**तृतीय प्रश्न पत्र – विशेष अध्ययन (वैकल्पिक)** – कुल अंक 100

**निम्नलिखित प्रश्नपत्रों में से कोई एक प्रश्नपत्र विकल्प के रूप में चुनना होगा।**

**1. निर्गुण भक्ति काव्य**

| | | | |
|---|---|---|---|
| अंको का विभाजन | – | व्याख्या | 12 x 3 = 36 |
| | | आलोचनात्मक प्रश्न | 16 x 4 = 64 |

1. कबीर ग्रन्थावली (सं. श्याम सुन्दर दास), साखी–गुरुदेव को अंग, सुमिरन को अंग, विरह को अंग, परचा को अंग, ज्ञान विरह को अंग, निहकर्मी पतिव्रता को अंग, वितावणी को अंग, माया को अंग, निर्गुण को अंग, सहजन को अंग, सोंच को अंग, साधु को अंग, जीवन मृतक को अंग, गुरु शिष्य हेरा को अंग, काल को अंग, रस को अंग, बेली को अंग, मधि को अंग।

   सबद – आरम्भिक 200 पद

   रमैनी – आरम्भिक 20 पद

2. जायसी ग्रन्थावली (सं. रामचन्द्र शुक्ल)

   पद्‌मावत के निम्नलिखित खण्ड–

   स्तुति खण्ड, सिंहल दीप वर्णन खण्ड, जन्म खण्ड, मानसरोदक खण्ड, नागमती सुआ संवाद खण्ड, नखशिख खण्ड, प्रेम खण्ड, जोगी खण्ड, पद्‌मावती वियोगी खण्ड, पावती महेश खण्ड, रत्नसेन पद्‌मावती विवाह खण्ड, पद्‌मावती रतनसेन भेंट खण्ड, षट्‌ऋतु वर्णन खण्ड, नागमती वियोग खण्ड, नागमती संदेश खण्ड, चित्तौर आगमन खण्ड, नागमती पद्‌मावती विवाद खण्ड, पद्‌मावती रूप चर्चा खण्ड, बादशाह चढ़ाई खण्ड, चित्तौड़गढ़ वर्णन खण्ड, रतनसेन बंधन खण्ड, पद्‌मावती गोरा बादल संवाद खण्ड, गोराबादल युद्ध खण्ड, रतनसेन देवपाल युद्ध खण्ड, पद्‌मावती नागमती सती खण्ड, उपसंहार।

**2. सगुण भक्ति काव्य**

| | | | |
|---|---|---|---|
| अंको का विभाजन | – | व्याख्या | 12 x 3 = 36 |
| | | आलोचनात्मक प्रश्न | 16 x 4 = 64 |

**पाठ्यग्रन्थ**

1. 'सूरसागर' के स्थान पर 'संक्षिप्त सूरसागर' (सं. धीरेन्द्र वर्मा) निर्धारित किया गया।
2. रामचरित मानस (गीता प्रेस) – बालकाण्ड, अयोध्या काण्ड, उत्तर काण्ड।
3. कवितावली (गीताप्रेस)
4. विनय पत्रिका (गीता प्रेस)

### 3. रीति काव्य

अंको का विभाजन – व्याख्या 12 x 3 = 36
आलोचनात्मक प्रश्न 16 x 4 = 64

**पाठ्यग्रन्थ**

1. रसिक प्रिया, कवि प्रिया (केशव दास)
2. बिहारी रत्नाकर – दोहा 201 से 500 तक
3. घनानन्द कवित्त (सं. आचार्य विश्वनाथ प्रसाद तिवारी) – कवित्त – 1 से 150 तक

### 4. छायावादी काव्य

अंको का विभाजन – व्याख्या 12 x 3 = 36
आलोचनात्मक प्रश्न 16 x 4 = 64

**पाठ्यग्रन्थ**

1. कामायनी – जयशंकर प्रसाद
2. परिमल – सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' – निम्नलिखित कविताएं – मौन दूत अलि ऋतु पति के आए, तुम और मैं, अलि घिर आए घन पावस के, ध्वनि, अधिवास, विधवा, भिक्षुक, सन्ध्या सुन्दरी, धारा, बादल राग, जुही की कली, जागो फिर एक बार (2) महाराज शिवाजी का पत्र।
3. अपरा – सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' – निम्नलिखित कविताएं – मातृ वन्दना, तोड़ती पत्थर, हिन्दी के सुमनों के प्रति पत्र, राम की शक्तिपूजा, मैं अकेला, यमुना के प्रति, गहन है यह अन्धकार, मरण को जिसने बरा है, सरोज स्मृति, स्नेह निर्झर बह गया है, तुलसीदास, अर्चना।
4. पल्लव – सुमित्रानन्दन पन्त
5. यामा – महादेवी वर्मा

### 5. छायावादोत्तर काव्य

अंको का विभाजन – व्याख्या 12 x 3 = 36
आलोचनात्मक प्रश्न 16 x 4 = 64

**पाठ्यग्रन्थ**

1. मेरी चुनी हुई रचनाएँ – अज्ञेय
2. प्रतिनिधि कविताएँ – मुक्तिबोध (सं. डॉ. केदारनाथ सिंह)
3. टूटी हुई बिखरी हुई – सं. अशोक वाजपेयी
4. प्रतिनिधि कविताएँ – नागार्जुन (सं. नामवर सिंह)
5. आत्महत्या के विरुद्ध – रघुवीर सहाय

### 6. कथा साहित्य

अंको का विभाजन – व्याख्या 12 x 3 = 36
आलोचनात्मक प्रश्न 16 x 4 = 64

**पाठ्यग्रन्थ**

रंगभूमि (प्रेमचन्द), त्याग–पत्र (जैनेन्द्र कुमार), शेखर एक जीवन (अज्ञेय), आधा गाँव (राही मासूम रजा), मैला आँचल (फणीश्वरनाथ रेणु), नाच्यो बहुत गोपाल (अमृतलाल नागर)

**कहानी**–एक दुनिया समानान्तर (सं. राजेन्द्र यादव) में संकलित निम्नलिखित कहानियों के आधार पर केवल आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। जिन्दगी और जोंक (अमरकान्त), खोई हुई दिशाएँ

(कमलेश्वर), गुल की बन्नो (धर्मवीर भारती), परिन्दे (निर्मल वर्मा), तीसरी कसम उर्फ मारे गये गुलफाम (फणीश्वर नाथ रेणु), चीफ की दावत (भीष्म साहनी), यही सच है (मन्नू भण्डारी), दूध और दवा (मार्कण्डेय), एक और जिन्दगी (मोहन राकेश), टूटना (राजेन्द्र यादव)।

7. हिन्दी नाटक

अंको का विभाजन – व्याख्या 12 x 3 = 36
आलोचनात्मक प्रश्न 16 x 4 = 64

**पाठ्यग्रन्थ**

अंधेर नगरी (भारतेन्दु हरिश्चन्द्र), स्कन्दगुप्त (जयशंकर प्रसाद), सिंदूर की होली (लक्ष्मीनारायण मिश्र), अंधायुग (धर्मवीर भारती), आधे–अधूरे (मोहन राकेश), मिस्टर अभिमन्यु (लक्ष्मीनारायण लाल), हानूश (भीष्म साहनी)।

8. हिन्दी आलोचना

अंको का विभाजन – व्याख्या 12 x 3 = 36
आलोचनात्मक प्रश्न 16 x 4 = 64

**पाठ्यग्रन्थ**

1. रस मीमांसा (रामचन्द्र शुक्ल)
2. काव्यकला तथा अन्य निबन्ध (जयशंकर प्रसाद)
3. नया साहित्य नये प्रश्न (नन्ददुलारे वाजपेयी)
4. कबीर (हजारी प्रसाद द्विवेदी)
5. परम्परा का मूल्यांकन (रामविलास शर्मा)
6. समीक्षा की समस्यायें (मुक्तिबोध)

**चतुर्थ प्रश्न पत्र – निबन्ध अथवा लघुशोध प्रबन्ध** – कुल अंक 100

**क– निबन्ध**

दो निबन्ध लिखने होंगे –
1. साहित्यिक निबन्ध – 50 अंक
2. समसामयिक विषय पर निबन्ध – 50 अंक

**ख– लघु शोध**

अध्यक्ष, हिन्दी विभाग की अनुमति से वे संस्थागत अभ्यर्थी लघु प्रबन्ध ले सकेंगे, जिन्होंने प्रथम वर्ष की परीक्षा 60 प्रतिशत अकों के साथ उत्तीर्ण की हो।

**पंचम प्रश्न पत्र – मौखिकी** – कुल अंक 100